

सौंदर्योपभोग पुं. (तत्.) 1. सौंदर्य का आस्वाद 2. किसी सुंदर रचना अथवा वस्तु या कलाकृति का आनंद लेना।

सौंध वि. (तद्.) 1. सुधा से बना हुआ 2. सफेदी या पलस्तर किया हुआ स्त्री. सुगंधित पुं. 1. महल, प्रासाद 2. वह ऊँचा और पक्का मकान जिस पर चूना पूता हुआ हो 3. चाँदी, रजत 4. दूधिया पत्थर, दुग्धपाषाण।

सौंधना स.क्रि. (तद्.) सुगंधित करना, सुवासित करना।

सौंधा वि. (तद्.) सुगंधयुक्त, सुगंधित, सुगंध वाला।

सौंधी वि. (तद्.) 1. अच्छा 2. उचित, ठीक, वाजिब।

सौंनी पुं. (तद्.) सुनार, स्वर्णकार।

सौंपना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी के अधिकार में देना 2. समर्पण करना 3. पूर्ण रूप से सदा के लिए किसी को दे देना।

सौंफ स्त्री. (देश.) 1. पाँच-छह फुट ऊँचा एक पौधा जिसकी पत्तियाँ सोए की पत्तियों के समान ही बहुत बारीक और फूल सोए के समान ही कुछ पीले होते हैं 2. उक्त पौधे के बीज जो जीरे के आकार के होते हैं इनमें सुगंध होती है और मसाले के काम आते हैं।

सौंफिया स्त्री. (देश.) सौंफ की बनी हुई शराब।

सौंफी वि. (देश.) सौंफ संबंधी, सौंफ का।

सौंभरिपुं. (तत्.) एक प्राचीन ऋषि का नाम।

सौर पुं. (देश.) मिट्टी के बरतन, भाँडे आदि जो संतानोत्पत्ति के दसवें दिन सूतक हटने पर तोड़ दिए जाते हैं।

सौरई स्त्री. (देश.) साँवलापन।

सौरना स.क्रि. (तद्.) स्मरण करना, चिंतन करना, ध्यान करना अ.क्रि. सँवरना।

सौरा वि. (देश.) साँवला।

सौराई वि. (देश.) साँवलापन।

सौंसे वि. (तद्.) सब, कुल, पूरा, संपूर्ण।

सौंह स्त्री. (देश.) शपथ, कसम, सौंगध।

सौंहन पुं. (तद्.) सोहन, शोभन, सुंदर।

सौंही स्त्री. (देश.) एक प्रकार का अस्त्र क्रि.वि. समक्ष, सामने।

सौ वि. (तद्.) शत, सौ की संख्या, नब्बे और दस, 100।

सौक वि. (देश.) सौ के लगभग पुं. शौक स्त्री. सौत, सपत्नी।

सौकन स्त्री. (देश.) सौत, सपत्नी।

सौकन्य वि. (तत्.) सुकन्या संबंधी, सुकन्या का।

सौक प्रद पुं. (तद्.) ऐसी घटना जिससे दूसरों को दुख या शोक हो।

सौकर वि. (तत्.) 1. सूकर या सूअर संबंधी, सूअर का 2. वाराह अवतार से संबंध रखने वाला पुं. वाराह सेन नामक तीर्थ।

सौकरक पुं. (तत्.) सौकर तीर्थ।

सौकरायण पुं. (तत्.) 1. शिकारी, व्याध, अहेरी 2. एक आचार्य का नाम।

सौकरिक पुं. (तत्.) 1. शिकारी, व्याध, अहेरी 2. सूअर, भालु आदि का शिकार करने वाला 3. सूअरों का व्यापारी वि. सूअर संबंधी।

सौकरीय वि. (तत्.) सूअर संबंधी, सूअर का।

सौकर्य पुं. (तत्.) 1. सुकर होने की अवस्था, गुण या भाव, सहजता सुकरता 2. कुशलता, दक्षता, निपुणता।

सौकीन वि. (फा.) किसी कार्य विशेष में बहुत अधिक रुचि रखने वाला, शौकीन व्यसनी, आदी।

सौकुमारक पुं. (तत्.) 1. सुकुमार होने की अवस्था, गुण या भाव, सुकुमारता 2. यौवन, तरुणाई 3. काव्य का एक गुण जो ग्राम्य और श्रुति कटु शब्दों का त्याग करने और सुंदर तथा कोमल शब्दों का प्रयोग करने में उत्पन्न होता है।